कार्यशाला के बारे में

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान का दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम कार्यक्रम, जो २००७ में १२ विश्वविद्यालयों / संस्थानों के साथ शुरू हुआ था, अब काफी विकसित हो चुका है। वर्तमान में, पूरे भारतवर्ष में फैले लगभग १००० विश्वविद्यालय / संस्थान इस कार्यक्रम से जुड़ चुके हैं तथा इस कार्यक्रम के द्वारा लाभान्वित हो रहे है ।

विश्व हिन्दी दिवस (१० जनवरी) के अवसर पर आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला में "अन्तरिक्ष एवं भूस्थानिक तकनीक : एक परिचय " शीर्षक के तहत अन्तरिक्ष तकनीक के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही साथ भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम के बारे में विस्तार से एक परिचय दिया जाएगा । इस कार्यशाला में अन्तरिक्ष तकनीक से जुड़ी विभिन्न भूस्थानिक सेवाओं के किर्यान्वयन पर भी चर्चा की जाएगी । सुदूर संवेदन के अनुप्रयोगो की विस्तृत जानकारी से श्रोताओं को अवगत कराया जाएगा ।

कार्यशाला की रूपरेखा

इस कार्यशाला में निम्न शीर्षकों पर व्यखान दिये जाएंगे :

- अन्तरिक्ष तकनीक एवं भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम ।
- सुदूर संवेदन एवं उसके अनुप्रयोग।
- भौगोलिक सूचना तंत्र एवं उसके अनुप्रयोग।
- नाविक : भारतीय नैविगेशन प्रणाली ।
- भुवन जियो पोर्टल ।
- अंत में वक्ताओं द्वारा इस कार्यशाल पर चर्चा की जाएगी जिसमें श्रोताओं के प्रश्नों को भी शामिल किया जाएगा ।

लक्षित प्रतिभागी

यह कार्यशाला शोधकर्ताओं , कार्यरत व्यक्तिविशेष, अध्यनरत छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगी। सामान्य जानकारी के लिए भी कोई भी जिज्ञाशु इस कार्यशाला से लाभान्वित हो सकता है।

कार्यशाला के लाभ

इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को अन्तरिक्ष तकनीक से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी। भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम की नवीनतम उपलब्धियों जैसे की चंद्रयान, मंगलयान, नाविक इत्यादि का भी इस कार्यशाला में उल्लेख किया जाएगा ।

इसके अलावा इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को यह भी जानने को मिलेगा कि अन्तरिक्ष कार्यक्रम को किस प्रकार से जन सामन्य के कल्याण के लिए उपयोग में लाया जा रहा है एवं इसकी क्या क्या संभावनाएं है।

कार्यशाल पंजीकरण

- कार्यशाला संबंधी सभी जानकारी निम्न वेबसाइट पर उपलब्ध है : http://www.iirs.gov.in/Edusat-News/
- इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इच्छुक संगठनों / विश्वविद्यालयों / विभागों / संस्थानों को अपनी तरफ से एक समन्वयक को चुनना होगा जो अपने संस्थान को भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान की वेबसाइट में नोडल केंद्र के रूप में पंजीकृत करेंगे
- सभी इच्छुक प्रतिभागियों को नोडल सेंटर के रूप में अपने संगठन का चयन करके पंजीकरण पृष्ठ के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा

कार्यशाला में कैसे भाग लें :

कार्यक्रम को २ एमबीपीएस या बेहतर इंटरनेट स्पीड के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलेने के लिए निम्न उपकरणों एवं सॉफ्टवेयर की आवश्यकता है:

हार्डवेयर:

- कंप्यूटर / लैपटॉप/मोबाइल फोन ;
- अच्छी गुणवत्ता वाला वेब कैमरा;
- माइक्रोफोन के साथ हेडफ़ोन;
- बड़ी डिस्प्ले स्क्रीन (प्रोजेक्टर या टीवी)।

सॉफ्टवेयर और इंटरनेट:

- इंटरनेट कनैक्शन
- वेब ब्राउज़र अर्थात गूगल क्रोम, मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स आदि.

संपर्क विवरण

कमल पांडे
वैज्ञानिक एवं वेब सूचना प्रबन्धक
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
दूरभाष : 0135-2524333
ईमेल : *kamal@iirs.gov.in*

डॉ. हरीश कर्नाटक
विभाग प्रमुख एवं वज्ञानिक
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
दूरभाष : 0135-2524332
ईमेल : *harish@iirs.gov.in*

अशोक घिगड़ियाल एवं जनार्दन विश्वकर्मा
तकनीकी अधिकारी
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहारादून
दूरभाष : 0135-2524130
ईमेल : *dlp@iirs.gov.in*

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान

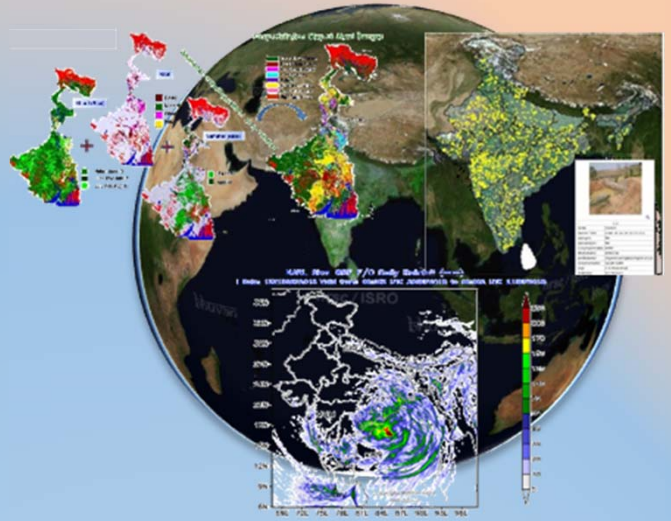

एक दिवसीय कार्यशाला

अन्तरिक्ष एवं भूस्थानिक तकनीक:

एक परिचय

जनवरी १०, २०२०

आयोजक

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
अन्तरिक्ष विभाग
४ कालिदास रोड, देहारादून, २४८००१

www.iirs.gov.in